an>

Title: Need to extend banking facilities to the economically weaker section of the society in Bihar.

**श्री कीर्ति आज़ाद (दरभंगा) :** आम आदमी के लिए बिहार में बैंकिंग सुविधाएं बहुत बुरी स्थिति में है, कारण यह बताया जाता है कि उन गरीब लोगों की प्रोफाइल नकारात्मक है । बैंकिंग सेक्टर वित्तीय समावेशीकरण की स्तरीय व्यवस्था के क्रम में 35 राज्यों में से बिहार को 33वां स्थान दिया गया है । इसका अर्थ यह हुआ कि बैंकिंग सेक्टर बिहार में आम जनता को अपने से जोड़ने में नाकाम रहा है । बैंकिंग सेक्टर की नाकामियों और नकारात्मकता का परिणाम यह हो रहा है कि बिहार की आम जनता साहूकार और बिचौलिए किस्म के लोगों के चंगुल में फंसते जा रहे हैं और इसके परिणामस्वरूप आम जनता को ऊंची दर पर ब्याज देना पड़ता है । सरकार को आम जनता को हो रही दिक्कतों और परेशानियों के मद्देनजर संज्ञान लेना चाहिए और इस गंभीर समस्या का समुचित निदान करना चाहिए ।